ग्रामीण कृषि मौसम सेवा

भारत मौसम विज्ञान विभाग

गोविंद बल्लभ पंत कृषि और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय

उधम सिंह नगर, पंतनगर, उत्तराखंड

मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

दिनांक : 28-10-2022

उधम सिंह नगर(उत्तराखंड) के मौसम का पूर्वानुमान - जारी करनेका दिन :2022-10-28 (अगले 5 दिनों के 8:30 IST तक वैध)

मौसम कारक	2022-10-29	2022-10-30	2022-10-31	2022-11-01	2022-11-02
वर्षा (मिमी)	0.0	0.0	0.0	0.0	0.0
अधिकतम तापमान(से.)	30.0	30.0	30.0	30.0	30.0
न्यूनतम तापमान(से.)	13.0	13.0	13.0	13.0	12.0
अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	75	70	71	72	67
न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	41	39	40	39	40
हवा की गति (किमी प्रति घंटा)	4.9	5.0	5.1	5.4	6.9
पवन दिशा (डिग्री)	34	22	68	68	64
क्लाउड कवर (ओक्टा)	0	0	0	0	0

मौसम सारांश / चेतावनी:

विगत सात दिनों (21 - 27 अक्टूबर, 2022) में 0.0 मिमी वर्षा हुई व आसमान साफ रहने के साथ कहीं-कहीं मध्यम बादल छाये रहें। अधिकतम तापमान 29.0 से 32.5 डि0से0 एवं न्यूनतम तापमान 12.1 से 16.4 डि0से0 के बीच रहा तथा वायु में सुबह 0712 बजे सापेक्षित आर्द्रता 80 से 95 प्रतिशत व दोपहर 1412 बजे सापेक्षित आर्द्रता 36 से 46 प्रतिशत एवं हवा 0.2 से 1.3 कि0मी0 प्रति घंटा की गति से मुख्यतः पूर्व-उत्तर-पूर्व व पश्चिम-उत्तर-पश्चिम दिशा से चली| आगामी पांच दिनों में, मौसम साफ रहेगा। अधिकतम एवम् न्यूनतम तापमान क्रमश: 30.0 व 12.0-13.0 डिग्री सेल्सियस रहेगा| हवा के 5.0-6.0 किमी/घंटे की गति से उत्तर-उत्तर-पूर्व व पूर्व-उत्तर-पूर्व दिशा से चलने का अनुमान है। ईआरएफएस के अनुसार, 2 से 8 नवम्बर के दौरान राज्य में वर्षा सामान्य से कम, अधिकतम व न्यूनतम तापमान सामान्य रहने का अनुमान हैं।

सामान्य सलाहकार:

आईएमडी मौसम पूर्वानुमान और आपके स्थान की कृषि मौसम संबंधी सलाह अब मेघदूत मोबाइल ऐप पर अंग्रेजी और क्षेत्रीय भाषाओं में उपलब्ध है। कृपया निम्न लिंक से डाउनलोड करें: एंड्रॉयड: https://play.google.com/store/apps/details?id=com.aas.meghdoot आईओएस: https://apps.apple.com/in/app/meghdoot/id1474048155

लघु संदेश सलाहकार:

आगामी पांच दिनों में, मौसम साफ रहेगा। गाय-भैंसों में "लंपी स्किन डिजीज" जो कि एक वायरल बीमारी है से बचाव हेतु पशुओं का टीकाकरण अवश्य कराएं।

फ़सल विशिष्ट सलाह:

फ़सल	फ़सल विशिष्ट सलाह

फ़सल	फ़सल विशिष्ट सलाह
गेहूँ	असिंचित अवस्था में गेहूँ की उन्नतशील किस्मे जैसे-सी 306, पी बी डब्लू 175, पी बी डब्लू 396, पी बी डब्लू 299, पी बी डब्लू 644 तथा डब्ल्यूएच 1080 की बुवाई करे। बुवाई हेतु प्रमाणित बीज का प्रयोग करे। बिना प्रमाणित बीज को बोने से पहले कार्बेन्डाजिम 2.5 ग्राम या टेबूकोनाजोल 2 डी एस 1.5 ग्राम को प्रति किग्रा बीज दर से प्रयोग करे।
चना	चने की बुवाई पूर्ण करें। चने की छोटे दाने वाली किस्मों- पंत जी-114, डी0सी0पी0 92-3, जी0एन0जी0-1581, मध्यम आकार दाने वाली किस्मों- पंत जी-186 , मोटे दाने वाली किस्म- पूसा-256 तथा काबुली चना की किस्म- पंत काबुली चना-1 में से एक का चुनाव करें।
सरसों	राई एवं देर से बोई गई तोरिया एवं पीली सरसों में फूल आने से पूर्व हल्की सिंचाई करें। खेत में ओट आने पर बची हुई नत्रजन की टॉप ड्रेसिंग करें।
मसूर की दाल	सिंचित दशा में दलहनी फसलों - चना, मसूर तथा मटर की बुवाई इस माह कर सकते है। मसूर एवं मटर की सामान्य बुवाई नवम्बर के प्रथम पखवाड़े में करें।

बागवानी विशिष्ट सलाह:

बागवानी	बागवानी विशिष्ट सलाह
लौकी	खीरा वर्गीय फसलों में लौकी, तोरई, खीरा, करेला आदि के फल तोड़कर बाजार भेजें।
बैंगन	बैगन की फसल मे निराई-गुड़ाई करें तथा तैयार फलो को तोड़कर बाजार भेजे।
गोभी	पछेती गोभी की पौध तैयार हो चुकी है तो उसकी रोपाई इस माह कर सकते है जिसके लिए सामान्य भूमि में 150 किग्रा नत्रजन, 80 किग्रा फॉस्फोरस व 60 किग्रा पोटाश की संस्तुति की जाती है। जिसमे से आधी नत्रजन एवं सम्पूर्ण फॉस्फोरस व पोटाश खेत की अंतिम जुताई के समय डालें।

पशुपालन विशिष्ट सलाह:

पशुपालन	पशुपालन विशिष्ट सलाह
भेंस	जिन पशुओं में एफ0एम0डी0 (मुखपका खुरपका) रोग के टीके नही लगें है उन पशुओं में तत्काल टीकाकरण करा लें। ताकि आपका पशुधन स्वस्थ रहे और उससे लगातार आपको सही उत्पादन प्राप्त होता रहें। खुरपका मुखपका के लक्षण- आँखें लाल होना, तेज बुखार होना, उत्पादन तथा आहार ग्रहण करने की क्षमता में कमी होना, मुहँ में छाले होना,लार गिरना समय से उपचार न मिलने की दषा में पशु के खुरों में घाँव बनना जिसकी वजह से पशुओं का लंगड़ाकर चलना आदि। रोग के लक्षण पता चलते ही रोगी पशुओं को अन्य स्वस्थ पशुओं से तत्काल अलग कर दें। निकटतम पशु चिकित्सक की सलाह अनुसार उपचार करायें तथा स्वस्थ पशुओं को चारा देने के उपरांत ही अंत में पीड़ित पशुओं को मुलायम हरा चारा दें। तदुपरांत हाथों को लाल दवा से अच्छी तरह साफ करें।